आईएमएफ ने भारत वृद्धि अनुमान बढ़ाया

पश्चिम एशिया संकट के बीच राहत

भारत की सबसे तेज़ अर्थव्यवस्था बनी रहेगी

नई दिल्ली, 15 अप्रैल पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितताओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के लिए राहत भरी खबर दी है. आईएमएफ ने अपनी नवीनतम 'विश्व आर्थिक परिदृश्य' रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है.

यह संशोधन ऐसे समय आया है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है और कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार धीमी पड़ रही है.

आईएमएफ के अनुसार, भारत न केवल चालू वित्त वर्ष में बल्कि अगले वित्त वर्ष 2027-28 में भी 6.5 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि दर बनाए रखेगा. इस तरह भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा. यह अनुमान जनवरी 2026 में जारी रिपोर्ट से 0.1 प्रतिशत अधिक है, जब अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे आयात शुल्क के कारण वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत आंकी गई थी. हालांकि, आईएमएफ का यह अनुमान अन्य प्रमुख संस्थाओं से थोड़ा कम है. विश्व बैंक ने भारत की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक इसे 6.9 प्रतिशत तक मान रहा है.

> विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमुख कारण उसका मजबूत घरेलू बाजार, डिजिटल बुनियादी ढांचा और सरकारी निवेश है. इसके अलावा, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में लगातार सुधार भी विकास को गति दे रहे हैं. वैश्विक चुनौतियों और क्षेत्रीय संकटों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है. आईएमएफ का संशोधित अनुमान यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा.

कच्चे तेल में उछाल बढ़कर 3 .88 प्रतिशत पर पहुंचा

नयी दिल्ली, 15 अप्रैल कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण मार्च में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 3.88 प्रतिशत पर पहुंच गयी.

पिछले साल मार्च में यह आंकड़ा 2.25 प्रतिशत और इस साल फरवरी में 2.13 प्रतिशत था. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में कच्चे तेल की कीमत सालाना आधार पर 51.57 प्रतिशत बढ़ी. कच्चे तेल में जबरदस्त उछाल के कारण प्राथमिक वस्तु वर्ग में थोक महंगाईकी दर 6.36 प्रतिशत दर्ज की गयी. थोक मुद्रास्फीति में सबसे अधिक 64 प्रतिशत का भारांश रखने वाले विनिर्मित वस्तुओं के वर्ग में भी मुद्रास्फीति एक साल पहले के 3.21 प्रतिशत से बढ़कर 3.39 प्रतिशत पर पहुंच गयी. तिलहनों के थोक दाम भी सालाना आधार पर 22.81 प्रतिशत बढ़े और महंगाई बढ़ाने में इनका भी योगदान रहा.पेट्रोल और डीजल के दाम में साल-दर-साल क्रमश: 2.50 प्रतिशत और 3.26 प्रतिशत की वृद्धि हुई. एलपीजी की थोक कीमत हालांकि एक साल पहले के मुकाबले 1.54 प्रतिशत कम रही.

शेयर बाजार में जोरदार उछाल

1,264 अंक चढ़ा सेंसेक्स

24,241 अंक पर पहुंचा निफ्टी

मुंबई, 15 अप्रैल अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों से उत्साहित निवेशकों की जोरदार लिवाली के चलते घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को जबरदस्त तेजी दर्ज की गई.

बीएसई सेंसेक्स 1,263.67 अंक यानी 1.64 प्रतिशत उछलकर 78,111.24 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,231.30 अंक पर पहुंच गया.

बाजार में यह तेजी ऐसे समय आई है जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीदें बनी हैं. डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के साथ पाकिस्तान में शांति वार्ता अगले दो दिनों में फिर शुरू हो सकती है. इस खबर ने निवेशकों के मनोबल को मजबूत किया और बाजार में खरीदारी का माहौल बना दिया.

दिनभर के कारोबार में सभी सेक्टरों और सूचकांकों में मजबूती देखी गई, जो इस बात का संकेत है कि तेजी व्यापक रही और केवल चुनिंदा शेयरों तक सीमित नहीं थी. विशेष रूप से मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.29 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए.

सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, सूचना प्रौद्योगिकी, रियल्टी, तेल एवं गैस, रसायन और मीडिया क्षेत्रों में दो से तीन प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई. वहीं ऑटो, वित्तीय सेवाएं, एफएमसीजी, धातु, फार्मा, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक मजबूत हुए.

> सेंसेक्स की कंपनियों में कई प्रमुख शेयरों ने शानदार प्रदर्शन किया. इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के शेयर में साढ़े चार प्रतिशत से अधिक की तेजी रही. इसके अलावा पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और इटरनल में भी चार प्रतिशत से ज्यादा उछाल दर्ज किया गया. तीन से चार प्रतिशत की बढ़त वाले शेयरों में अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो और एशियन पेंट्स शामिल रहे. वहीं दो से तीन प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने वाले शेयरों में ट्रेंट लिमिटेड, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और बजाज फिनसर्व प्रमुख रहे.

अनंत स्वरूप बने फिक्की के नये महासचिव

नयी दिल्ली, 15 अप्रैल उद्योग मंडल फिक्की ने भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा के पूर्व अधिकारी अनंत स्वरूप को अपना नया महासचिव नियुक्त किया है. उनकी नियुक्ति बुधवार 15 अप्रैल से प्रभावी हो गयी है.

फिक्की ने मीडिया को दी जानकारी में कहा है कि 1992 बैच के आईआरपीएस अधिकारी श्री स्वरूप की नियुक्ति देश के उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व को और सशक्त बनाती है. उनके पास लोक नीति, लॉजिस्टिक्स, विनियामक सुधार और अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं का तीन दशक से भी अधिक का अनुभव है. उन्होंने केन्द्र सरकार में नेतृत्व के विभिन्न पदों पर काम किया है और हाल ही में निजी क्षेत्र में भी योगदान दिया है. श्री स्वरूप ने केंद्र सरकार के वाणिज्य विभाग और रेल मंत्रालय में भी योगदान दिया है. वह जिनेवा में विश्व व्यापार संगठन में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं. श्री स्वरूप के पास प्राणी शास्त्र में स्नातक और स्नातकोत्तर के अलावा कानून में स्नातक, व्यापार प्रशासन में स्नातकोत्तर और हरित अवसंरचना एवं वित्त पोषण में मास्टर्स सर्टिफिकेट की डिग्रियां हैं.

सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स ने 'चूड़ी उत्सव' लॉन्च किया

कोलकाता, 15 अप्रैल सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स, देश की प्रमुख आभूषण खुदरा कंपनियों में से एक, ने 'चूड़ी उत्सव' की शुरुआत की है. इस अवसर पर कंपनी ने पोइला बोइशाख और अक्षय तृतीया जैसे शुभ पर्वों के मद्देनज़र विशेष ऑफर भी पेश किए हैं.

सुवंकर सेन और भूमि पेडनेकर 'चूड़ी उत्सव 2026' का शुभारंभ

करीब 85 वर्षों की समृद्ध विरासत वाली इस कंपनी के देशभर में 200 से अधिक शोरूम हैं और यह पूर्वी भारत में अपने नेटवर्क के आधार पर अग्रणी आभूषण ब्रांड है. पोइला बोइशाख और अक्षय तृतीया के अवसर पर सोना खरीदना पारंपरिक रूप से शुभ और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है. कंपनी ने इस उत्सव के माध्यम से अपने कुशल कारीगरों को सम्मान दिया है, जो बारीक नक्काशी, तारकशी कार्य और हीरा जड़ाई जैसी कलाओं के जरिए हर आभूषण को विशेष बनाते हैं.

'चूड़ी उत्सव' का विषय आधुनिक भारतीय युवा की अभिव्यक्ति पर आधारित है, जिसे हाथों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है. इस अभियान में एक ओर युवा महिला की सोच, जिज्ञासा और नेतृत्व को दर्शाया गया है, वहीं दूसरी ओर एक युवा पुरुष की मेहनत और महत्वाकांक्षा को उभारा गया है. इसका मूल संदेश है-'मेरी ज़िंदगी मेरे हाथों में.'

कंपनी की निदेशक एवं विपणन व डिज़ाइन प्रमुख जोइता सेन ने बताया कि इस वर्ष 10,000 से अधिक चूड़ी डिज़ाइनों का व्यापक संग्रह प्रस्तुत किया गया है, जिसमें 500 नए डिज़ाइन शामिल हैं.

> उल्लेखनीय है कि सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स को लगातार चार वर्षों तक 'दूसरा सबसे विश्वसनीय आभूषण ब्रांड' का दर्जा प्राप्त हुआ है. वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी ने ?165.37 करोड़ का शुद्ध लाभ और ?6,258 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जबकि चालू वित्त वर्ष में इसका राजस्व रु8,000 करोड़ से अधिक पहुंच चुका है, जो इसकी मजबूत वृद्धि को दर्शाता है .इस प्रकार 'चूड़ी उत्सव' के माध्यम से कंपनी ने पारंपरिक उत्सवों और आधुनिक डिजाइनों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हुए ग्राहकों को एक समृद्ध और आकर्षक आभूषण संग्रह उपलब्ध कराया है.

अडानी एनर्जी ने चालू की ट्रांसमिशन लाइन

मुंबई के लिए शुरू की 1000 मेगावाट क्षमता की लिंक

मंबई, 15 अप्रैल मुंबई महानगर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के अंतर्गत अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लि की सहायक कंपनी, अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई इंफ्रास्ट्रक्चर लि ने कुडस और आरे के बीच 1,000 मेगावाट का हाई-वोल्टेज डायरेक्ट करंट ट्रांसमिशन लिंक शुरू कर दिया है.

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी. इस काम के लिए 30 किलोमीटर (केएम) की ओवरहेड (खंभों पर खिंची) लाइन और 50 किलो मीटर की भूमिगत लाइन शामिल है जो घनी आबादी के लिए डिज़ाइन की गयी है. इसमें दुनिया का पहला कॉम्पैक्ट एचवीडीसी सबस्टेशन भी शामिल है. अक्टूबर 2020 में मुंबई में हुए ब्लैकआउट के बाद इस ट्रांसमिशन लाइन की योजना बनाई गई थी.

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के मुख्य अधिशासी अधिकारी कंदर्प पटेल ने कहा, 'आरे-कुडस ट्रांसमिशन लाइन के शुरू होने के साथ ही, मुंबई के पास अब एक आधुनिक पावर कॉरिडोर है जो बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल एनर्जी को उच्च विश्वसनीयता के साथ इंटीग्रेट करने में सक्षम है. यह अब तक की सबसे तेज़ गति से पूरी की गयी एचवीडीसी परियोजा है जो उन्नत वोल्टेज स्रोत कन्वर्टर -आधारित तकनीक से संचालित है.'

निर्यात 860 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा

नयी दिल्ली, 15 अप्रैल देश का कुल निर्यात (वस्तु एवं सेवा मिलाकर) अप्रैल-मार्च 2025-26 के दौरान संचयी रूप से अनुमानित 860.09 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष में कुल निर्यात में विकट परिस्थितियों में भी सालाना आधार पर 4.22 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है. वर्ष 2024-25 में कुल 825.26 अरब डॉलर की वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात हुआ था. वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत से वस्तुओं का संचयी निर्यात 441.78 अरब डॉलर तक पहुँच गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-मार्च) में यह 437.70 अरब डॉलर था. इस तरह इनके निर्यात में वर्ष के दौरान 0.93 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी. बीते वित्त वर्ष के आखरी महीने मार्च, 2026 में 38.92 अरब अमेरिकी डॉलर का माल निर्यात किया गया.

सोने-चांदी के दाम में आई तेजी

नयी दिल्ली, 15 अप्रैल भारतीय सर्राफा बाजार में बुधवार, 15 अप्रैल को सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया. अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती और निवेशकों की बढ़ती मांग के चलते घरेलू बाजार में भी कीमती धातुओं के दाम नए रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए हैं.

सोना की कीमतों में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जहां 22 कैरेट सोना 1 लाख 40 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया. यह स्तर अब तक के उच्चतम दामों में से एक माना जा रहा है. वहीं, 24 कैरेट सोने की कीमतों में भी मजबूती दर्ज की गई और यह लगातार ऊपर की ओर बढ़ रही है. चांदी के दामों में भी उछाल देखने को मिला है. औद्योगिक मांग और निवेशकों की बढ़ती रुचि के कारण चांदी की कीमतें भी मजबूत बनी हुई हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने और चांदी की मांग बढ़ी है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है.

विश्लेषकों के अनुसार, डॉलर की चाल, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीतियों का प्रभाव भी सोने की कीमतों पर देखा जा रहा है. जब भी वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ती है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सोने जैसे सुरक्षित विकल्पों में निवेश करते हैं, जिससे इसकी कीमतों में तेजी आती है.

समाचार विशेष

जगदीश देवड़ा 33% आरक्षण महिलाओं के लिए बनेगा वरदान

राकेश शर्मा

आज देश की हर महिला मुस्कुरा रही है और उसकी खुशी का राज है देश के प्रधानमंत्री एवं विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी महिलाओं को उनका हक देने जा रहे हैं, महिला आरक्षण महिलाओं के लिए वरदान साबित होगा. पर लगातार विपक्ष के दल महिला आरक्षण को रोकने के लिए षड्यंत्र करते आ रहे हैं. केंद्र सरकार संविधान संशोधन बिल लाकर लोकसभा सदस्य संख्या 850 करने का प्रस्ताव लाने का विचार कर रही है जो मौजूद संख्या 543 है.

सभी राज्यों की कुल लोकसभा सीटों की संख्या 815 रहेगी और केंद्र शासित प्रदेशों में यह सीटें 35 हो जाएंगी.इन सीटों की निश्चित मात्रा करने के लिए परिसीमन आयोग गठित किया जाएगा. 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का विचार किया जा रहा है. मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि अगर देश में आज मोदी सरकार नहीं होती तो महिलाओं को जो हक मिल रहा है उस हक को प्राप्त करना संभव नहीं हो पाता क्योंकि विपक्ष के दल जिसमें कांग्रेस पार्टी भी शामिल है वह लंबे समय से इसमें अड़ंगा लगा रहे हैं. यह तो मोदी जी का बहन-बेटियों के प्रति समर्पण है जिसके कारण आज महिला आरक्षण बिल संसद के विशेष सत्र में केंद्र सरकार पेश कर रही है.दक्षिण के राज्यों को भड़काने का काम स्टालिन और तेलंगाना के रेवंत रेड्डी कर रहे हैं.परिसीमन की आड़ को लेकर वह यह खुलकर नहीं बोल पा रहे हैं कि हम महिलाओं के आरक्षण के खिलाफ हैं. एक तरफ कांग्रेस जिसकी लीडर सोनिया गांधी लंबे समय तक कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीं और आज भी पर्दे के पीछे से कांग्रेस का संचालन सोनिया गांधी कर रही हैं,उसके बाद भी कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण बिल पर किंतु परंतु कर रही है.जगदीश देवड़ा ने महिलाओं को जिनका प्रतिनिधि आबादी में 50त्न है उन्हें आज इन विपक्ष के नेताओं का असली चेहरा देखने की जरूरत आवश्यक हो गई है.

टीवीके और एनटीके पर नजर

चेन्नई. तमिलनाडु में सीधा मुकाबला डीएमके और अन्ना डीएमके गठबंधन में है. डीएमके नेता और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन 12 से ज्यादा पार्टियों का सेकुलर प्रोग्रेसिव अलायंस बनाया है.

उन्होंने अपनी सीटें पहले से कुछ कम की हैं और बाकी पार्टियों को एडजस्ट किया है. वे विजयकांत की पत्नी प्रेमलता को भी अलायंस में ले आए हैं, जिनकी पार्टी डीएमडीके का ठीक आधार है. कमल हसन की पार्टी भी उनके साथ है. कांग्रेस, वीसीके, लेफ्ट, मुस्लिम लीग आदि तो साथ है ही. दूसरी ओर अन्ना डीएमके ने भाजपा, एएमएमके जैसी पार्टियों से तालमेल किया है. इन दोनों के बीच सीधा मुकाबला है. लेकिन नतीजे को प्रभावित करने वाली पार्टी विजय और सीमान की होगी.

सीमान की पार्टी एनटीके ने पिछले चुनाव में भले एक भी सीट नहीं जीती लेकिन उसे छह फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे. इसी तरह जोसेफ विजय तमिल फिल्मों के सुपरस्टार हैं. उनके प्रशंसकों का एक छोटा समूह भी उनको वोट करता है तो वे नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं. चुनाव से पहले हुए तमाम सर्वेक्षणों में विजय की पार्टी को 10 से 15 फीसदी वोट मिलने का अनुमान जताया जा रहा है. यह वोट किसी भी पार्टी का समीकरण खराब कर सकता है.

सपा-आप की नजदीकियां उड़ा सकती हैं कांग्रेस की नींद

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजनीति में ऊंट किस करवट बैठे इसका कोई भी अंदाजा नहीं लगा सकता है. दरअसल, राज्य में 2027 में चुनाव हैं और चुनाव से पहले नए समीकरण की सुगबुगाहट सामने आने लगी है. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सुल्तानपुर पहुंचे. यहां पर उन्होंने साल 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर एक अहम संकेत दिया है.

खबरों के अनुसार अखिलेश यादव के साथ आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी थे. और जब अखिलेश से पूछा गया कि क्या सपा और आम आदमी पार्टी आने वाले चुनाव में साथ आ सकते हैं. तब इस सवाल का जवाब देते हुए सपा सुप्रीमो ने साफ कहा कि हम लोग मिलकर तय लेंगे कि क्या करना है.

दरअसल, अखिलेश यादव के इस बयान को उत्तर प्रदेश की राजनीति में नए समीकरण की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है. यहां तक की इस संकेत से कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ना भी तय माना जा रहा है. एक तरफ जहां कांग्रेस, कई राज्यों में आम आदमी पार्टी से दूरी बना चुकी है, यहां तक की पिछले साल हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में तो कांग्रेस और केजरीवाल की पार्टी इस तरह आमने-सामने थी कि राहुल गांधी ने खुद ग्राउंड जीरो पर उतरकर केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा था और उसी चुनाव में अखिलेश यादव ने केजरीवाल का खुला समर्थन किया था.

हमलोग बातचीत करते हैं तब हल निकलता है

अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में एक तंत्र की कोई जरूरत नहीं है. लोकतंत्र में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के संविधान से देश चले, मन विधान से नहीं चले .यहां लोग वन वे है, बोलते जाते हैं, आप सुनते जाइए वन वे की कोई जगह नहीं होती डेमोक्रेसी में डेमोक्रेसी में संवाद है, हम लोगों से बातचीत करते हैं तब हल निकलता है .

विशेष | क्या इस बार बीजेपी पलट देगी 15 साल का इतिहास?

दमदम की बिसात पर 'मंत्री जी' का दांव

कोलकाता. नगर के उत्तरी छोर पर स्थित दमदम का नाम सुनते ही जेहन में सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की हलचल और ऐतिहासिक एम्युनिशन फैक्ट्री की यादें ताजा हो जाती हैं. लेकिन आज इस शहरी शोर के पीछे एक अलग ही राजनीतिक सुगबुगाहट है.

दमदम केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह पश्चिम बंगाल की उस शहरी राजनीति का आईना है, जहां मतदाता बहुत सोच-समझकर अपना फैसला सुनाते हैं. 29 अप्रैल को जब यहां के लोग पोलिंग बूथ की ओर बढ़ेंगे, तो उनके मन में केवल विकास के वादे नहीं, बल्कि अपनी जड़ों और पहचान से जुड़े कई सवाल भी होंगे.

दमदम का इतिहास गवाह है कि यहां की जनता ने हमेशा मजबूती के साथ किसी एक विचारधारा का हाथ थामा है. एक दौर था जब यह इलाका कम्युनिस्ट पार्टी का 'लाल किला' माना जाता था, जहां वामपंथियों ने नौ बार जीत का परचम लहराया. लेकिन 2011 में जब बंगाल में सत्ता परिवर्तन की लहर चली, तो प्रसिद्ध अभिनेता और ममता सरकार में मंत्री ब्रत्य बसु ने यहां से टीएमसी का खाता खोला और तब से वे लगातार तीन बार यहां अजेय रहे हैं. बसु की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने 2021 में बीजेपी के विमल शंकर नंदा को 26,731 वोटों के भारी अंतर से हराया था. हालांकि, बदलते वक्त के साथ जीत का यह फासला कभी घटता तो कभी बढ़ता रहा है, जो यह संकेत देता है कि मतदाता हर बार नई कसौटी पर अपने प्रतिनिधि को परख रहे हैं.

> **बीजेपी की बढ़ती ताकत और विपक्ष की नई घेराबंदी**
>
> पिछले कुछ सालों में दमदम की राजनीतिक तस्वीर में एक बड़ा बदलाव आया है. कभी यहां मुख्य लड़ाई टीएमसी और लेफ्ट के बीच होती थी, लेकिन अब बीजेपी ने मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में खुद को मजबूती से खड़ा कर लिया है. 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान यहां कांटे की टक्कर देखी गई थी, जहां टीएमसी की बढ़त महज 5,112 वोटों तक सिमट गई थी. हालांकि 2024 में यह बढ़त फिर से थोड़ी सुधरी, लेकिन बीजेपी का बढ़ता ग्राफ टीएमसी के लिए चिंता का विषय जरूर है. इस बार के दंगल में यदि लेफ्ट और कांग्रेस का गठबंधन दोबारा अपनी ताकत जुटाने में कामयाब रहता है, तो चुनावी गणित पूरी तरह उलझ सकता है. दमदम के शहरी मतदाता, जिनमें अनुसूचित जाति (रष्ट) की आबादी करीब 12.72 प्रतिशत है, किसी भी दल की किस्मत बनाने या बिगाड़ने की ताकत रखते हैं.